दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 03.11.2025

प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाइयों द्वारा सफाई अभियान का आयोजन गोरखपुर।

दिनांक 03.11.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की चारों इकाइयों द्वारा महाविद्यालय परिसर में एक दिवसीय स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, सामाजिक दायित्व और सेवा भावना को विकसित करना था। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि "राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त बनाती है। स्वच्छता केवल सफाई का कार्य नहीं, बल्कि एक सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवन का प्रतीक है।"

प्राचार्य ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य Not Me But You (मैं नहीं, तुम) इस बात का संदेश देता है कि समाज की भलाई के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य करना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया कि वे इस अभियान को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ और स्वच्छता को दैनिक आदत के रूप में अपनाएँ। स्वच्छता अभियान के तहत NSS की चारों इकाइयों के लगभग 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के सभी कक्षों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, प्रशासनिक भवन, प्रांगण और गलियारों की सफाई की। स्वयंसेवकों ने झाड़ू, डस्टर, पोंछा और अन्य उपकरणों की मदद से पूरे परिसर को स्वच्छ और आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" और "स्वच्छता ही सेवा है" जैसे नारे लगाकर सभी में उत्साह और प्रेरणा का संचार किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय ने बताया कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में "Learning by Doing" की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि "राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को समाज से जोड़ना और उन्हें यह सिखाना है कि सच्ची शिक्षा वही है जो समाज के हित में उपयोगी हो।" उन्होंने स्वयंसेवकों से यह भी आग्रह किया कि वे अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करें।

डॉ. राय ने आगे कहा कि "स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने घर, विद्यालय और समाज की स्वच्छता की जिम्मेदारी लेगा, तभी राष्ट्र स्वच्छ और स्वस्थ बन सकेगा।"
स्वयंसेवकों ने पूरे मनोयोग से इस अभियान में भाग लिया और अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से स्वच्छता का संदेश भी दिया, जिनमें प्रमुख नारे थे।
"जहाँ स्वच्छता, वहाँ स्वास्थ्य।" "स्वच्छ भारत का सपना, हम सबका अपना।" "स्वच्छता अपनाएँ, बीमारी भगाएँ।"

इस अवसर पर कई शिक्षकों ने भी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया और सफाई कार्य में सहयोग दिया। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र कुमार पाण्डेय ने सभी स्वयंसेवकों, सहयोगी शिक्षकों और प्राचार्य जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि छै के माध्यम से विद्यार्थियों में न केवल सेवा की भावना विकसित होती है, बल्कि उनका व्यक्तित्व भी निखरता है। ऐसे आयोजन युवा शक्ति को समाज के उत्थान के कार्यों से जोड़ते हैं।

अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय सेवा योजना के गीत और स्वच्छ भारत मिशन की शपथ के साथ किया गया। सभी स्वयंसेवकों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने घर, विद्यालय और समाज को स्वच्छ बनाए रखने में सदैव योगदान देंगे।कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर पीयूष सिंह व डॉक्टर प्रदीप यादव व महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
सूचना एवं जनसम्पर्क